1984 में उमा ने किया था पहला आंदोलन, इस आंदोलन ने बनाया सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपने राजनैतिक सफर पर की चर्चा

बोलीं गरीबों पर हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ती-लड़ती सीएम बनी

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। मैं एक साधारण प्रवचनकर्ता थी। सबसे पहले मैंने 6 साल की उम्र में रामायण का एक पाठ किया। उस समय हमारे गांव में परमानंद जी थे, उन्होंने मेरा पाठ सुना और फिर गांव वाले बोले की अब इन्हीं का पाठ सुनेंगे। उस वक्त गांव में एक बारात आई उसमें एक जिला शिक्षा अधिकारी हुआ करते थे बीडी नायक उन्होंने मेरे प्रवचन सुने और वह तो भक्तिभाव से भर गए। यह बात 1966 के दौर की है। मेरी राजनीति 1984 से शुरू हुई जब मैंने अर्जुन सिंह की सरकार का भू-वंटन को लेकर विरोध किया। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने टीकमगढ़ में पत्रकारों से चर्चा कर कही है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने बताया कि वर्ष 1984 के उस समय में मैं अपने गांव डूंड़ा में थी, तब अर्जुन सिंह की सरकार भू-वंटन करा रही थी। इसी दौरान गरीब और असहाय लोगों के साथ अत्याचार को मैं नहीं देख पाई। उनके भू-वंटन के विरोध में गई और फिर मैंने अचानक मेरे पिता समान एक एडीएम रैंक के अधिकारी के बंगले को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ घेर लिया।

यह कोई राजनैतिक या मैं नहीं सोच रही थी कि यह आंदोलन राजनीति की मेरी पहली सीढ़ी बन जाएगा। मेरे इस आंदोलन को कलेक्टर, एसपी को मौके पर आना पड़ा और जो हमारी मांग थी उसे मानना पड़ा। फिर क्या था मां राजमाता सिंधिया ने मुझसे कहा कि उमा राजनीति में आओ और बेहतर कुछ कर पाओगी, तो फिर मैंने उनके कहने पर राजनीति शुरू कर चुनाव लड़ा। क्योंकि मैं अपने गांव के लोगों की सेवा राजनीति के पहले भी करती थी।

वो वक्त मुझे याद है जब एक ऐंबेस्टर कार से मैं चला करती थी, उस समय मेरे ड्राईवर हसन एवं नसीम दोनों को मैं पीछे बैठाती थी और स्वयं ड्राईव करना मुझे पसंद था।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने आगे कहा कि मैं यहा यह भी स्पष्ट कर दूं कि जब आयोध्या मामले से मैंने कोई राजनैतिक फायदा नहीं लिया यह आंदोलन जब हुआ तब मैं पार्लियामेंट का दूसरा टर्न पूरा कर रही थी। इसलिए यह कहना कि आयोध्या से मैंने राजनैतिक पहचान बनाई तो सही नहीं है। हां आयोध्या से मैने सम्मान प्राप्त किया।

विद्यावती ने मुझे बेटी के समान माना

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने आज की राजनीति और पहले की राजनीति में अंदर भी बताया। उन्होंने कहा कि पहले लोग राजनीति में एक-दूसरे को गालियां नहीं देते थे। मैं अपना पहला चुनाव विद्यावती जी से लड़ी थी, लेकिन उस समय मुझे उन्होंने बेटी के समान माना। इसके बाद रामरतन जी से भी चुनाव लड़ी। इतना ही नहीं मानवेन्द्र सिंह के खिलाफ खड़ी हुई कभी ऐसा नहीं हुआ कि अपशब्दों का प्रयोग किया गया हो। नेताओं के बीच संबंधों में तनाव कभी नहीं हुआ। मैं जिनसे चुनाव लड़ती थी उनके घर पर ही कड़ी और चावल मेरे लिए पकते थे, महिलाएं मुझे बहुत प्यार करती थी। आज बहुत अंदर है।

हम संस्कृति से ही हिन्दू राष्ट्र हैं घोषित करने की जरूरत नहीं

उमा भारती ने आगे अपनी बात को बढ़ाते हुए कहा कि मैंने कहा है कि बागेश्वर धाम ने जो बात कही है हिन्दू एकता एवं हिन्दू राष्ट्र की, तो हिन्दू राष्ट्र तो यह पहले से ही है उसको घोषित करने की जरूरत नहीं। हम संस्कृति से ही हिन्दू राष्ट्र हैं। यहां की संस्कृति सर्वधर्म संभाव है। उस दृष्टि से हम हिन्दू राष्ट्र सनातन हैं। दूसरी बात हिन्दुओं में जातियों से समानता आवे तो वो रोटी से आएगी। सत्ता शासन की यह भागीदारी है। अगर स्वेच्छा से कोई अंतर जाति विवाह करता है, तो दोनों परिवार उदारता के साथ उसे स्वीकारें। जो धर्म छुपाकर विवाह होते हैं यह तो मानव की हत्या है। जिस वाणी का प्रयोग हो रहा है वह गलत है मैं इसकी घोर निंदा करती हूं।

अनुराग शर्मा को परेशानी न हो तो झांसी से चुनाव लड़ूंगी

उमा भारती ने आगे कहा कि देखिए मैं स्पष्ट रूप से यह कहती हूं कि मैंने 19 में यह तय किया था कि चुनाव नहीं लड़ना है। पर अब मुझे लगता है कि 29 के चुनाव लड़ने की जरूरत है। अगर पार्टी कहेगी तो 2029 का चुनाव लड़ूंगी, अगर अनुराग शर्मा को परेशानी नहीं होगी तो मैं झांसी से लड़ूंगी, झांसी के अलावा और कहीं से चुनाव नहीं लड़ूंगी।

अंत में सुश्री भारती

पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री भारती ने पत्रकारों से अंत में चर्चा के दौरान उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर कांग्रेस को राजनीति करनी है। एसआईआर हो रही है यह एक अच्छा काम है। जो राजनैतिक दल इसमें सहयोग नहीं कर रहे हैं, वह गैर जिम्मेदाराना रवैया है।

मेरी मां बहुत संघर्षशील महिला थी। हमारे कुटुम्ब के लोगों ने ही हमारी जमीनी हड़पने का प्रयास किया, लेकिन मेरी मां ने उन्हें बचाया और बच्चों को पढ़ाया। मैं अपनी मां को याद करने के लिए यह कर रही हूं। मेरी मां पैदल चलकर गर्रोली से डूंड़ा आया करती थी। उसी भाव को रखकर मैं पैदल चलूंगी। यह तीन दिन मैंने इसलिए बनाए क्योंकि 3 बजे से रोज चलेंगे। चलना तो मुझे वैसे भी ज्यादा नहीं है, क्योंकि डॉक्टरों ने कहा है कि ज्यादा चलने से पैरों में दिक्कत हो सकती है। इसलिए मैं गाड़ी से चिह्नित कुछ गांवों में रुकूंगी। इसके बाद अंत में उन्होंने गीता भवन को लेकर कहा कि अगर गीता भवन के लिए जमीन नहीं है, तो मैं अपनी एक एकड़ भूमि देने को तैयार हूं।

मौसम में बदलाव से फसलों को हो रहा लाभ

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। सर्दी के मौसम में दिन और रात के तापमान में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान घटकर 25.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। दिन में धूप निकलने और रात में ठंड पड़ने से किसानों की फसलों को फायदा होता है।

पिछले 48 घंटों में रात के तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई है। बुधवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया थाए जो गुरुवार को घटकर 25.5 और 12 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।मौसम विभाग ने आगामी दिनों में दिन का तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच और रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार दिसंबर के पहले हफ्ते के बाद दिन और रात के तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की कमी आएगी। फिलहाल दिन में धूप निकलने से लोगों को ठंड से कुछ राहत मिल रही है। हालांकि शाम 5 बजे के बाद तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है जिससे ठंड बढ़ जाती है।भू अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री सेल्सियस था। मंगलवार को अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सेवानिवृत्त होने पर दी भावभीनी विदाई

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। पुलिस बल टीकमगढ़ में कार्यरत सहायक उपनिरीक्षक वंशीधर तिवारी, सहायक उप निरीक्षक बृजकिशोर तिवारी की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में दिनांक 29 नवंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय टीकमगढ़ में एक गरिमामय एवं भावभीन विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं पुलिस मोमेंटो भेंट कर ससम्मान विदाई दी। मंडलोई ने उनके दीर्घकालीन अनुकरणीय सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानजनक जीवन की शुभकामनाएँ प्रदान कीं। कार्यक्रम में रक्षित निरीक्षक कनक सिंह चौहान, ट्रैफिक थाना प्रभारी रक्षित निरीक्षक कैलाश पटेल, मुख्य लिपिक रामाधार त्रिपाठी एस्टेनो, रत्नेश तिवारी सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टाफ तथा सेवा-निवृत्त अधिकारियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुभव व योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। समारोह के अंत में सभी उपस्थितजनों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सिविल सर्जन ने किया मरीज को रक्तदान

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला ने कैंसर मरीज स्वामी प्रसाद प्रजापति के लिए ए पॉजिटिव रक्तदान किया। स्वामी प्रसाद प्रजापति को कैंसर के इलाज के लिए रक्त की आवश्यकता थी। सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला को जब इस बात की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत रक्तदान करने का निर्णय लिया। उन्होंने स्वयं रक्तदान किया और मरीज को आवश्यक रक्त उपलब्ध कराया।

सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला ने कहा कि रक्तदान करना एक महान मानव सेवा है। मैं खुश हूं कि मैं इस मरीज की मदद कर सका। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे रक्तदान करें और दूसरों की जिंदगी बचाने में योगदान दें। इस दौरान डॉ विकास जैन ब्लड बैंक प्रभारी, डॉ अजय चौरसिया ब्लड बैंक मेडीकल अफसर, डॉ वैभव जैन, मक़बूल खान, अजय प्रजापति, सुपरवाइजर सद्दाम खान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला ने कैंसर मरीज स्वामी प्रसाद प्रजापति के लिए ए पॉजिटिव रक्तदान किया।

स्वामी प्रसाद प्रजापति को कैंसर के इलाज के लिए रक्त की आवश्यकता थी। सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला को जब इस बात की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत रक्तदान करने का निर्णय लिया। उन्होंने स्वयं रक्तदान किया और मरीज को आवश्यक रक्त उपलब्ध कराया गया।

मानव अधिकार आयोग का कार्यक्रम संपन्न

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। राष्ट्रीय मानव अधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग ने बच्चों के भविष्य को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आयोग की प्रदेश सचिव डॉ. कनक राजेश पटेरिया ने बच्चों के रोजगार और कौशल विकास पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8वीं और 10वीं पास बच्चों को सरकार की ओर से आईटीआई कोर्स करवाकर रोजगार की गारंटी दी जाती है।

कार्यक्रम में डॉ.पटेरिया ने उपस्थित युवाओं और अभिभावकों को स्किल इंडिया योजना के तहत उपलब्ध प्रशिक्षण और अवसरों के बारे में भी बताया। उन्होंने जनता को मानव अधिकारों के अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए समाज में मानवाधिकार संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में सुरेश दौंदेरिया ने कहा कि जानकारी के अभाव में कई बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा बच्चों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं लेकिन जागरूकता की कमी के कारण वह इनका लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों के लिए निश्चित रूप से फायदेमंद साबित होंगे।

तम्बाकू मुक्त की दिलाई शपथ

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ पीके माहौर निर्देशन में जिले में तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का संचालित किया जा रहा है।

इसी परिप्रेक्ष्य में आज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 टीकमगढ़ में छात्र-छात्राओं को तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई गई। जिला चिकित्सालय नोडल अधिकारी एनटीसीपी डॉ वरदत्त जैन द्वारा छात्र-छात्राओं को स्वयं तथा अपने परिजनों, मित्रों या परिचितों को भी तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए शपथ दिलाई गई। साथ ही छात्र छात्राओं को जागरूक करने के लिए कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4,5,6,7,के प्रावधानों के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई।

गीता महोत्सव को लेकर मुख्यमंत्री ने ली जानकारी

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आगामी एक दिसंबर को गीता जयंती को लेकर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव पर राज्य में हो रहे कार्यक्रमों की तैयारी की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभ्युदय मध्य प्रदेश गवर्नेंस एंड ग्रोथ समिट निवेश से रोजगार अटल संकल्प उज्जवल मध्य प्रदेश के अंतर्गत 25 दिसंबर को ग्वालियर में हो रहे कार्यक्रम के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गीता महोत्सव के संबंध में मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा गुरूवार को जिला कलेक्टर्स और पुलिस अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर संयुक्त कार्यालय परिसर स्थित एनआईसी कक्ष से कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय, पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई, नगर पालिका टीकमगढ़ सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया सहित संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि एक दिसंबर गीता जयंती पर गीता महोत्सव के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों में जन सामान्य की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। श्रीमद भागवतगीता के विभिन्न अध्यायों की संस्कृत और हिंदी में, स्कूल कॉलेज के साथ-साथ जन सामान्य को प्रतियां उपलब्ध करवाकर, गीता पर केंद्रित क्विज आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। गीता ज्ञान के प्रसार से जन सामान्य की विचार प्रक्रिया और मानसिकता पर सकारात्मक प्रभाव होगा। श्रीमद भागवतगीता ऑन लाइन ज्ञान प्रतियोगिता में प्रवृष्ठि 28 नवम्बर तक होगी।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने जताई नाराजगी

प्राचीन पुल की मरम्मत को लेकर कलेक्टर दिखे नाराज

सड़क सुरक्षा से जुड़े 16 बिंदुओं पर की गई चर्चा

नवभारत,न्यूज टीकमगढ़। शनिवार को जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न कराई गई। इसमें ट्रैफिक प्रभारी कैलाश पटेल ने नगर पालिका क्षेत्र सहित पूरे जिले में सड़क सुरक्षा से जुड़े 16 बिंदुओं पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने शहर के सबसे अहम मुद्दे पुरानी टेहरी के प्राचीन पुल की मरम्मत को लेकर अपनी नारजगी व्यक्त की ।

बैठक में शहर में ऑटो स्टैंड का चिह्नांकन, हाथ ठेला व फल विक्रेताओं के लिए हॉकर जोन निर्धारित करने, आवारा पशुओं की समस्या, कोतवाली और मिश्रा तिराहा के पार्कों का पुनर्विकास कर यातायात सुगम बनाने जैसे मुद्दे शामिल थे। इसके अलावा अंबेडकर चौराहा, नया बस स्टैंड मार्ग की मरम्मत, सागर बायपास पर रोड मार्किंग, प्रकाश व्यवस्था, साइन बोर्ड लगाने और प्रमुख चौराहों को मॉडल रूप में विकसित करने के प्रस्ताव भी रखे गए। बैठक में सबसे गंभीर मुद्दा पुरानी टेहरी के प्राचीन पुल की मरम्मत का रहा।

बारिश के दौरान पुल की बगल की दीवार गिर गई थी और कई महीने बीतने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा है। जब कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने सेतु निर्माण विभाग के अधिकारी से मरम्मत की समय सीमा पूछी तो अधिकारी ने बताया कि फाइल भोपाल भेजी गई है और स्वीकृति का इंतजार है। इस जवाब पर कलेक्टर ने तेज नाराजगी जताई और कहा कि पिछले पांच महीनों से लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इस बीच कोई जनहानि होती है तो विभाग इसके लिए जिम्मेदार होगा। कलेक्टर ने कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान भाजपा पार्षद अभिषेक खरे ने नजाई बाजार में संचालित फुटकर गल्ला मंडी को कृषि उपज मंडी परिसर में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यदि नजाई क्षेत्र में चल रही सब्जी मंडी को व्यवस्थित किया जाए तो काफी जगह उपलब्ध हो सकती है जिसे पार्किंग के लिए उपयोग किया जा सकता है। बैठक में मौजूद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुधारने को लेकर अपने सुझाव दिए। कलेक्टर ने कहा कि अब हर महीने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की जाएगी ।

लापरवाही ऑपरेशन के लिए दो महिलाओं के बीच दिया एक पलंग

अस्पताल के नसबंदी शिविर में गंभीर लापरवाही आई सामने

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। मुख्यालय पर स्थित अस्पताल में आयोजित नसबंदी शिविर में स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही देखने में आई है। जिसमें ऑपरेशन कराने आई महिलाओं के परिजनों ने जिला अस्पताल प्रबंधन पर शासन से मिलने वाली मूलभूत सुबिधाओं से बंचित रखने का आरोप लगाया है। जबकि नसबंदी शिविर के लिए शासन द्वारा लाखों रूपए खर्च करने की बात कही जाती है। इसके बावजूद भी महिलाओं को नसबंदी के दौरान काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

यहां ऑपरेशन के बाद महिलाओं को लाने ले जाने के लिए स्ट्रेचर नहीं थे, जिसके कारण परिजन मरीजों को अपने हाथों से उठाकर बाहर ले गए। इसके अलावा महिलाओं को घर तक पहुंचाने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी, जिससे परिजनों को किराए के वाहनों का सहारा लेकर घर तक पहुंचना पड़ा। शिविर जिला अस्पताल में जतारा क्षेत्र की महिलाओं के लिए लगाया गया था।

ऑपरेशन के बाद मरीजों को पलंग तक ले जाने के लिए स्ट्रेचर नहीं दिए गए। परिजनों ने बताया कि एक ही पलंग पर दो-दो महिलाओं को लिटाया गया था, जिससे मरीजों को असुविधा हुई। दरअसल आयोजित नसबंदी शिविर में स्वास्थ्य विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। ऑपरेशन के बाद महिलाओं को लाने-ले जाने के लिए स्ट्रेचर नहीं थे जिसके कारण परिजनों को मरीजों को हाथों में उठाकर ले जाना पड़ा। इसके अलावा महिलाओं को घर तक पहुंचाने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की गई थी जिससे परिजनों को किराए के वाहन का सहारा लेना पड़ा। शिविर जिला अस्पताल में जतारा क्षेत्र की महिलाओं के लिए लगाया गया था। ऑपरेशन के बाद मरीजों को पलंग तक ले जाने के लिए स्ट्रेचर नहीं दिए गए। परिजनों ने बताया कि एक ही पलंग पर दो-दो महिलाओं को लिटाया गया थाए जिससे मरीजों को असुविधा हुई। लुहारगुवां गांव से आए नितेंद्र सिंह घोष ने बताया कि वे अपनी चाची का नसबंदी ऑपरेशन कराने जिला अस्पताल आए थे।

किराए का वाहन कर पहुंचना पड़ा घर

महिलाओं के परिजनों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से घर से लाने .ले जाने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए गए। उन्हें 1100 किराए का वाहन करके अस्पताल आना पड़ा और ऑपरेशन के बाद भी उसी वाहन से घर ले जाना पड़ रहा है इस नसबंदी शिविर के इंचार्ज बीएमओ डॉक्टर अंकित साहू थे। इस मामले में जब प्रभारी सीएमएचओ डॉक्टर पीके माहौर से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जेल के बंदियों को कराया भगवद्गीता पाठ

नवभारत न्यूज टीकमगढ़। मध्यप्रदेश शासन जेल विभाग के आदेशानुसार जिला जेल में गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमद भागवतगीता का पाठ हार्टफ़ुलनेस टीकमगढ़ के प्रशिक्षक कैलाश मिश्रा वरिष्ठ शिक्षक एवं डॉ कमलेश राय पशुपालन विभाग के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में बंदियों को गीता के महत्व एवं श्री कृष्ण द्वारा कुरूक्षेत्र में दिए गये वचनों को अपने जीवन में अवतरित करने का उपदेश दिया गया। बंदियों के बीच श्रीमद भागवतगीता ज्ञान प्रतियोगिता का ऑफ लाइन आयोजन कराया गया, जिसमें जेल में निरूद्ध बंदियों द्वारा बढ-चढकर भाग लिया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बंदियों की वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रदान किया गया।

आरएसएस के पथ संचलन में राष्ट्रप्रेम का संदेश

नवभारत न्यूज खरगापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में खरगापुर में पथ संचलन यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में आरएसएस के स्वयंसेवकों ने अनुशासन से पंक्तियों में मार्च करते हुए अखंड भारत, संगठन और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया ।

पथ संचलन यात्रा का शुभारंभ स्कूल ग्राउंड से हुआ जहां स्वयंसेवकों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। यात्रा राजा सती शताब्दी वर्ष पर आयोजित की गई थी ।

खरगापुर वासियों के लिए यात्रा प्रेरणा का प्रतीक बन गई। समूचे नगर में अनुशासन एकता और राष्ट्रभाव का वातावरण देखने को मिला। पंथ संचलन के दौरान मार्ग के दोनों ओर स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। कई स्थानों पर जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। बैंड-बाजों की देशभक्ति धुनों और लहराते केसरिया ध्वजों से पूरा कस्बा राष्ट्रभाव से सराबोर नजर आया।